

अंतरराष्ट्रीय वन दविस

प्रलिस के लयि:

अंतरराष्ट्रीय वन दविस, संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन, सुंदरबन, प्रमुख और लघु वन उत्पाद ।

मेन्स के लयि:

भारत के लयि वनों का महत्त्व, भारत में वनों से संबंधित मुद्दे ।

चर्चा में क्यों?

मानवता और पृथ्वी के अस्तित्व हेतु वनों और पेड़ों के महत्त्व के वषिय में जागरूकता बढ़ाने के लयि प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को [अंतरराष्ट्रीय वन दविस](#) मनाया जाता है । इसे वशिव वन दविस के रूप में भी जाना जाता है ।

- वर्ष 2023 की थीम 'वन और स्वास्थय (Forests and Health)' है ।

अंतरराष्ट्रीय वन दविस का इतहास:

- संयुक्त राष्ट्र के [खाद्य और कृषि संगठन](#) ने वर्ष 1971 में वशिव वानकी दविस की स्थापना की थी, जब आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय वन दविस की शुरुआत हुई थी ।
- मनुष्य और पृथ्वी हेतु वनों के महत्त्व के वषिय में जागरूकता बढ़ाने के लयि इस दविस की स्थापना की गई थी ।
- वर्ष 2011 में [संयुक्त राष्ट्र](#) ने वर्ष 2011-2020 को अंतरराष्ट्रीय वन दशक घोषित किया ।
- इसका उद्देश्य सभी प्रकार के वनों के सतत् प्रबंधन, संरक्षण और विकास को बढ़ावा देना था ।
- अंतरराष्ट्रीय वन दविस की स्थापना वर्ष 2012 में की गई थी ।

भारत में वनों की स्थिति:

- [इंडिया स्टेट ऑफ फॉरेस्ट रिपोर्ट-2021](#) के अनुसार, वर्ष 2019 के पछिले आकलन के बाद से देश में वन और वृक्षों के आवरण क्षेत्र में 2,261 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है ।
- भारत का कुल वन और वृक्षावरण क्षेत्र 80.9 मिलियन हेक्टेयर था, जो देश के भौगोलिक क्षेत्र का 24.62% था ।
 - रिपोर्ट में कहा गया है कि 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का 33% से अधिक क्षेत्र वनों से आच्छादित है ।
 - सबसे बड़ा वन आवरण क्षेत्र मध्य प्रदेश में था, इसके बाद अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और महाराष्ट्र का स्थान था ।
 - अपने कुल भौगोलिक क्षेत्र के प्रतिशत के रूप में वन आवरण के मामले में शीर्ष पाँच राज्यमज़ोरम (84.53%), अरुणाचल प्रदेश (79.33%), मेघालय (76%), मणिपुर (74.34%) एवं नगालैंड (73.90%) हैं

भारत के लयि वनों का महत्त्व:

- पारस्थितिक तंत्र सेवाएँ: पृथ्वी पर एक-तहार्ई भूमि वनों से आच्छादित है, जो जल वज्जान चक्र को बनाए रखने, जलवायु को वनियमति करने और [जैवविविधता](#) के संरक्षण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।
 - उदाहरण के लयि [पश्चिमी घाट](#) के वन दक्षिणी राज्यों के जल चक्र को वनियमति करने और मट्टी के कटाव से रोकने में मदद करते हैं ।
- जैवविविधता का केंद्र: भारत में पौधों और पशुओं की प्रजातियों की एक वसित वविधता वास करती है, जनिमें से कई केवल देश के वनों में पाए जाते हैं ।
 - उदाहरण के लयि बंगाल की खाड़ी में [सुंदरबन](#) में मैंग्रोव वन [रॉयल बंगाल टाइगर](#) का नविस स्थल है ।

- **गरीबी उन्मूलन:** वन गरीबी उन्मूलन के लिये भी महत्त्वपूर्ण हैं। वन 86 मिलियन से अधिक **हरति रोजगार** सृजति करते हैं। ग्रह पर हर कसिी का वनों से कसिी-न-कसिी रूप में संपर्क रहा है।
- **जनजातीय समुदाय का आवास:** वन आदविसी समुदाय के आवास भी हैं। वे **पारस्थितिकि और आर्थिकि रूप से वन पर्यावरण का हसिसा** हैं।
 - उदाहरण के लिये **मध्य प्रदेश की गोंड जनजातियाँ**।
- **उद्योगों के लिये कच्चा माल:** वन **कई उद्योगों के लिये कच्चा माल** प्रदान करते हैं जैसे- रेशम कीट पालन, खलौना नरिमाण, पत्तियों से प्लेट बनाना, प्लाईवुड, कागज़ और लुगदी आदि।
 - वे **दीर्घ एवं लघु वनोत्पाद** भी प्रदान करते हैं:
 - दीर्घ उत्पाद जैसे- **इमारती लकड़ी, गोल लकड़ी, लुगदी-लकड़ी, लकड़ी का कोयला और जलाऊ लकड़ी**
 - लघु उत्पाद जैसे **बाँस, मसाले, खाने योग्य फल और सब्जियाँ**।

भारत में वनों से जुड़े मुद्दे:

- **जैवविविधता की हानि:** वनों की कटाई और अन्य गतिविधियाँ जो वनों के साथ जैवविविधता को भी नुकसान पहुँचाती हैं, इस कारण पौधे और पशु प्रजातियाँ अपने प्राकृतिक आवास में जीवति रहने में असमर्थ होते हैं।
 - यह **समग्र रूप से पारस्थितिकि तंत्र** पर और साथ ही इन प्रजातियों पर नरिभर समुदायों की सांस्कृतिक प्रथाओं पर भी **प्रघातकषपित प्रभाव** डाल सकता है।
- **सकृडता वन आवरण:** भारत की राष्ट्रीय वन नीतिके अनुसार, पारस्थितिकि स्थिरता बनाए रखने के लिये वन के तहत कुल भौगोलिक क्षेत्र का आदर्श प्रतशित कम-से-कम 33% होना चाहिये। हालाँकि यह **वर्तमान में देश की केवल 24.62% भूमिको शामिल करता है** जो तेज़ी से सकृड रहा है।
- **जलवायु परिवर्तन:** **जलवायु परिवर्तन** के कारण होने वाली वन अशांति, जिसमें **कीट प्रकोप, जलवायु के कारण होने वाले प्रवासन, वनाग्न** और तूफान आदि शामिल हैं, जो वन उत्पादकता में कमी एवं प्रजातियों के वतिरण में बदलाव करती हैं।
 - 2030 तक भारत में **45-64% वन जलवायु परिवर्तन और बढ़ते तापमान के प्रभावों का अनुभव करेंगे**।
- **संसाधन तक पहुँच हेतु संघर्ष:** अक्सर स्थानीय समुदायों के हति और व्यावसायिक हतियों के बीच संघर्ष होता है, जैसे क**फिरमासयुटिकल उद्योग** या लकड़ी उद्योग।
 - इससे **सामाजिक तनाव और यहाँ तक कि हसिसा** भी हो सकती है, क्योंकि विभिन्न समूह वन संसाधनों तक पहुँचने और उनका उपयोग करने के लिये संघर्ष करते हैं।

आगे की राह

- **व्यापक वन प्रबंधन:** वन संरक्षण में वनों की सुरक्षा और स्थायी प्रबंधन के सभी घटक जैसे-**वनाग्नि नियंत्रण उपाय, समय पर सर्वेक्षण, आदविसियों के लिये नीतियाँ, मानव-पशु संघर्ष को कम करना और स्थायी वन्यजीव स्वास्थ्य उपाय** शामिल होने चाहिये।
- **समरपति वन गलियारा:** वन्यजीवों के सुरक्षित **राज्यान्तरिकि और अंतर-प्रादेशिकि मार्ग** के लिये **समरपति वन गलियारों** को बनाए रखा जा सकता है और शांतिपूर्ण-सह-असततिव का संदेश देते हुए कसिी भी बाह्य प्रभाव से उनके पर्यावास की रक्षा की जा सकती है।
- **संसाधन मानचित्रण और वन अनुकूलन:** **गैर-अन्वेषति वन क्षेत्रों में संभावति संसाधन मानचित्रण** कयिा जा सकता है और वन-सघनता एवं वन स्वास्थ्य को बनाए रखते हुए इसे वैज्ञानिकि प्रबंधन तथा स्थायी संसाधन नषिकरण के तहत लाया जा सकता है।
- **वन उद्यमियों के रूप में जनजातीय समुदायों का समावेशन:** वनों के व्यावसायिकरण की संरचना के लिये **वन विकास नगिमां (FDCS) को पुनरजीवति करने** और वन-आधारति उत्पादों की खोज, नषिकरण तथा वृद्धि में **"वन उद्यमियों" के रूप में जनजातीय समुदायों को शामिल करने** की आवश्यकता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. राष्ट्रीय स्तर पर अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन नविसी (वन अधिकारों की मान्यता) अधनियिम, 2006 के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिये कौन-सा मंत्रालय केंद्रक अभकिरण (नोडल एजेंसी) है? (2021)

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
- पंचायती राज मंत्रालय
- ग्रामीण विकास मंत्रालय
- जनजातीय कार्य मंत्रालय

उत्तर: (d)

प्रश्न. भारत का एक वशिष राज्य नमिनलखिति वशिषताओं से युक्त है: (2012)

- यह उसी अक्षांश पर स्थति है जो उत्तरी राजस्थान से होकर जाता है।
- इसका 80% से अधिक क्षेत्र वन आवरणातंरगत है।
- 12% से अधिक वनाच्छादति क्षेत्र इस राज्य के रक्षति क्षेत्र नेटवर्क के रूप में है।

नमिनलखिति राज्यों में से कौन-सा ऊपर दी गई सभी वशिषताओं से युक्त है?

- (a) अरुणाचल प्रदेश
- (b) असम
- (c) हिमाचल प्रदेश
- (d) उत्तराखण्ड

उत्तर: (a)

प्रश्न. "भारत में आधुनिक कानून की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पर्यावरणीय समस्याओं का संवैधानिकरण है।" सुसंगत वाद वधियों की सहायता से इस कथन की वविचना कीजिये। (मुख्य परीक्षा, 2022)

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/international-day-of-forests-1>

